LIBRARY

School of Planning And Architecture ,Bhopal

S.No.28 (October 2024)

सिटी भास्कर (e - न्यूज़) 24/10/2024

दैनिक भास्कर भोपाल सिटी भास्कर 24-10-2024

एसपीए के स्टूडेंट्स ने बताया प्लान

बनाया उज्जैन को क्लाइमेट चेंज से बचाने सिटी डेवलपमेंट प्लान

सिटी रिपोर्टर। स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) के डिपार्टमेंट ऑफ एन्वॉयर्नमेंट प्लानिंग और यूनिसेफ की ओर से हेल्थी सिटी पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें दिल्ली, मुंबई, सूरत से आए एक्सपर्ट्स के सामने स्टूडेंट्स ने उज्जैन के लिए तैयार क्लाइमेट चेंज रेसीलिएंस प्लान रखा।

तीन महीनों में तैयार किया ड्राफ्ट

एसपीए की प्रोफेसर डॉ. रमा यू पांडे ने बताया- यह सिटी प्लान 9 स्टूडेंट्स ने पूरे एक सेमेस्टर का वक्त लेकर तैयार किया है। इसमें उज्जैन सिटी के साथ हमने 4 सबसे संकटग्रस्त वॉर्ड्स का जियो स्पेशियल सर्वे भी किया। इसमें हमने पॉल्यूशन के बढ़ने, ग्रीनरी के कम होने और इसके कारण बीमारियां बढ़ने की समस्याओं को एड्रेस किया है। इसमें हमने शिप्रा नदी के घाटों, 7 कुंड के साथ हमने यहां होने वाले बड़े इवेंट जैसे पंचकोसी यात्रा और चौरासी महादेव को भी ध्यान में रखकर शहर के लिए नया डेवलपमेंट प्लान बनाया है।

लर्निंग आउटकम भी होता है प्रभावित

यूनिसेफ के कम्यूनिकेशन स्पेशलिस्ट अनिल गुलाटी ने बताया कि कैसे क्लाइमेट चेंज बच्चों और एडोलसेंट हेल्थ को इम्पैक्ट कर रहा है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि हम डिजास्टर को ध्यान में रखकर हेल्थ प्लानिंग करें। डिजास्टर बच्चों पर फिजिकल, मेंटल असर तो डालते ही हैं, इससे उनके लर्निंग आउटकम पर भी प्रभाव पड़ता है। सूरत से आई एक्सपर्ट डॉ. विकास किशोर देसाई ने पब्लिक हेल्थ और डिजास्टर के लिए तैयार रखने की प्लानिंग से जुड़े मुद्दे उदाहरण के साथ साझा किए। इस मौके पर यूनिसेफ के इमर्जेंसी स्पेशलिस्ट सरबजीत सहोता ने बताया कि इंडिया में किस तरह से क्लाइमेट चेंज देखने को मिल रहा है और यह कैसे लोगों की जिंदगियों को इम्पैक्ट कर रहा है। मुंबई से आई अर्बन प्रोग्राम स्पेशलिस्ट दीपिका देशमुख ने महाराष्ट्र का उदाहरण देकर समझाया कि वहां किस तरह से मुंबई के अर्बन एरिया को जियो स्पेशियल प्लानिंग इस्तेमाल कर रहे हैं।